RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 7 | मूल्य - रू.1/- | जुलाई 2017 | पृष्ठ - 8

वैश्विक जनसंख्या वृद्धि बनाम जनसंख्या विस्फोट

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: जनसंख्या वृद्धि.....3
BJS गतिविधियां.....4, 5, 6
अल्पसंख्यक सूचनाएं.....7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

प्रदूषण मुक्त पृथ्वी, नदियों में कल-कल बहता स्वच्छ जल, वृक्षों से ढके पर्वत, ध्रुवों पर जमी बर्फ की गहरी परतें, घने और हरे जंगलों से सुशोभित धरती, ऋतुओं का नियमित आगमन आदि परिकल्पनाऐं निश्चित ही मन को सुकून देती है, किन्तु यह सब कुछ भूतकाल-सा बनता जा रहा है. वर्तमान में जंगलों के सफाये से पृथ्वी पर बढ़ता तापमान, ध्रुवों का पिघलना, प्रदूषित जल और हवा, प्रदूषण की मार सह रहे अंतरिक्ष और सागर, ध्वनि प्रदूषण आदि अनेक कारणों से बिगड़ता हुआ पर्यावरणीय संतुलन तथा औद्योगिक अणु कचरे के ढेर पर खड़ा यह विश्व, सृष्टि के अस्तित्व पर अनेक प्रश्न चिन्ह लगा चुका है. कहा जाता है कि प्रकृति अत्यंत ही विशाल एवं महान है जिसके सामने मानव बौना है. भगवान महावीर ने प्रकृति एवं पर्यावरण की सुरक्षा हेतु अहिंसा का संदेश दिया किन्तु विश्व इस संदेश के मर्म को समझने में थाप खाता ही रहा है. मानव सभ्यताओं के क्रमिक विकास में पर्यावरण की अहम भूमिका रही है, किन्तु मानव जाने-अंजाने में पर्यावरण को जो क्षति पहुंचा रहा है वह उसकी स्वार्थी मानसिकता का द्योतक तो है ही साथ में यह भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का दुस्साहस भी है, जिसके दुष्परिणाम हमारी भावी पीढ़ियों को भुगतने के सिवाय संभवतः अन्य कोई विकल्प उनके समक्ष नहीं रह जाएगा. असंतुलित पर्यावरण की गंभीरता के प्रति पर्यावरणवादियों ने गत कुछ दशकों में जागृति लाने के प्रयास किए हैं जिसकी फलश्रुति में प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व 'पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है. भारतीय जैन संघटना सदैव से ही पर्यावरण के प्रति सजग रहा है व पिछले 5 वर्षों में देश के छोटे भौगोलिक क्षेत्र में ही सही, किन्तु निश्चित परिणामों हेतु प्रयासरत रहा है. इस वर्ष व्यापक स्तर पर महाराष्ट्र में सूखा मुक्ति अभियान जिस तरह संचालित हुआ, वर्षा की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग भूगर्भ तथा नदी-नालों में संचय से होगा. बीजेएस द्वारा चलाया गया यह अभियान पर्यावरण की रक्षा में सामाजिक उत्तरदायित्वों को नव स्वरूप में परिभाषित करेगा.

मित्रों! बढ़ते पर्यावरणीय असंतुलन का एक मुख्य कारण अकल्पनीय रूप से बढ़ती विश्व की जनसंख्या है, जिसे अर्थशास्त्रियों ने जनसंख्या विस्फोट की संज्ञा दी है. मानव इतिहास पर दृष्टिपात से हम पाते हैं कि हजारों वर्षों तक वैश्विक जनसंख्या की विकास दर अत्यंत ही मंद बनी हुई थी. सन् 1800 के आसपास विश्व की कुल जनसंख्या मात्र 1 अरब थी. उसके पश्चात् मात्र 150 वर्षों में यह दुगनी यानि 2 अरब हो गई. सन् 1980 तक यह 3 अरब की संख्या पार कर गई व तत्पश्चात् मात्र 20 वर्षों में (सन् 1980 से 2000 तक) समस्त विश्व की जनसंख्या दुगनी यानि कि 6 अरब हो गई. जनसंख्या वृद्धि दर के असीमित रूप से बढ़ने के क्या कारण हो सकते हैं ? क्या भविष्य में भी इतनी ही तीव्र गति से जनसंख्या वृद्धि होती रहेगी ? कितनी जनसंख्या का भार वहन करने की क्षमता हमारी पृथ्वी में है ? पृथ्वी का आकार व उपलब्ध संसाधन आदि सभी सीमित मात्रा में हैं. असीमित रूप से बढ़ती जनसंख्या हेतु जीवन-यापन की व्यवस्थाऐं जुटाना क्या और कैसे संभव होगा ? या फिर कृषि भूमि तथा बचे जंगलों का प्रयोग मानव के रहने के लिए होगा ? यदि ऐसा हुआ तो क्या समस्त जनसंख्या हेतु आहार पूर्ति दुष्कर नहीं होगी ? आधुनिक तकनीकी से अधिक अन्न उत्पादन व आहार की पर्याप्त व्यवस्थाएं बन सकेगी या फिर वैश्विक जनसंख्या का कुछ भाग स्थायी तौर पर भुखमरी या कुपोषण का शिकार बना रहेगा ? 21वीं शताब्दी के प्रारम्भ से वैश्विक जनसंख्या की वृद्धि 1.2 प्रतिशत की दर से हो रही है परिणामस्वरूप 77 करोड़ जनसंख्या की प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है जो कि फ्रांस की कुल जनसंख्या के बराबर है. जून, 2017 तक भारत की आबादी 134 करोड़ हो जाएगी जो विश्व की कुल आबादी का 17.86% प्रतिशत होगी. आगामी 2 दशकों में विश्व व विशेषकर भारत को पर्यावरण, अन्न आपूर्ति, पेयजल व आवास की समस्याओं से जूझने हेतु विशेष प्रयासों की आवश्यकता होगी. समाजजन को इस गंभीर विषय पर जागृत करने हेतु इस अंक का विषय भी 'जनसंख्या वृद्धि' चयन किया है. 11 जुलाई, 2017 विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम व संभावित समस्याओं के निदान हेतु अग्रिम आयोजन पर गहन चिंतन आवश्यक है ताकि देशवासियों को जनसंख्या के अतिरेक से उत्पन्न होने वाले खतरों के प्रति जागृत किया जा सके. साथ ही जैन समुदाय की अविरत रूप से घटती जनसंख्या पर भी समाज सदस्यों का ध्यान आकर्षित करने की महती आवश्यकता है. वास्तविकता तो यह है कि जैन समुदाय द्वारा इस विषय को नजरअंदाज़ किया जाता रहा है जबकि इस पर गहन चिंतन होना चाहिए क्योंकि इसका प्रत्यक्ष संबंध हमारे भावी अस्तित्व से है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

Credits: Cover page images from the internet

मंथन

वैश्विक जनसंख्या वृद्धि बनाम जनसंख्या विस्फोट

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई पर जनसंख्या के अतिरेक पर मंथन

मानव विकास के इतिहास पर दृष्टिपात से ज्ञात होता है कि विश्व की कुल जनसंख्या 1 अरब तक पहुँचने में हजारों वर्ष लगे. सन् 1800 तक जनसंख्या वृद्धि दर अति सामान्य रही किन्तु गत एक शताब्दी में जनसंख्या वृद्धि को जैसे पंख ही लग गए, जिसे जनसंख्या विस्फोट के रूप में देखा जा रहा है. जनसंख्या वृद्धि विश्व के किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र, देश, महाद्वीप में नहीं हुई अपितु समस्त विश्व में हुई है जो चिंता का विषय है क्योंकि अब यह 6 अरब का आंकड़ा पार कर चुकी है.

अतिशय रूप से बढ़ती जनसंख्या का मुख्य कारण प्रजनन दर में वृद्धि है. आधुनिक आयुर्विज्ञान एवं नवीन चिकित्सा पद्धतियों के आविष्कार से व्यक्ति की औसत आयु 53 से 70 वर्ष तक पहुँच गई वहीं बाल मृत्यु दर में आनुपातिक गिरावट दर्ज़ की गई है. जनसंख्या वृद्धि दर में भी विभिन्न देशों या महाद्वीपों में भारी असमानता पायी गई है. कुछ देशों की जनसंख्या सिकुड़ रही है तो कुछ की सीमा से अधिक फैल रही है. विकसित देशों में जहां जीवन उन्नत है, जनसंख्या वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है क्योंकि इस मुद्दे का उच्च शिक्षा से प्रत्यक्ष संबंध है व वहां प्रजनन नियंत्रण के उपाय कारगर साबित हो रहे हैं. विश्व में ऐसे लगभग 33 देश हैं जहां जनसंख्या दर घटी है. दूसरी तरफ एशिया महाद्वीप के अनेक देश हैं जहां जनसंख्या विस्फोट हुआ है, जिसमें चीन, भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि देश हैं.

आगामी वर्षों में जनसंख्या में किस गति से कितनी वृद्धि होगी यह भविष्यवाणी करना अत्यंत ही कठिन है. संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार सन् 2050 तक इसके 8.9 अरब हो जाने की संभावना है. क्या बढ़ती जनसंख्या का भार पृथ्वी वहन कर सकेगी ? पृथ्वी पर सभी संसाधन निश्चित मात्रा में हैं. आधुनिक तकनीकी की बदौलत अन्न का उत्पादन संभवतः बढ़ाया जा सके किन्तु जमीन व पानी की मात्रा को बढ़ाना संभव नहीं है. जनसंख्या वृद्धि का प्रत्यक्ष संबंध पर्यावरण संतुलन व मानव स्वास्थ्य से है, अतः यह एक गंभीर किन्तु वैश्विक मुद्दा है, जिस पर गहन चिंतन आवश्यक है. यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग व दोहन को लेकर विश्वयुद्ध की नौबत आ सकती है.

जनसंख्याअतिरेक से क्या हमारी पृथ्वी मानव के रहने योग्य रह पाएगी ? या फिर जीवन-यापन हेतु मानव नए ग्रहों की खोज करने को बाध्य होगा ?

क्या हमारे देश की जनसंख्या अतिरेक की सीमा को पार कर चुकी है ? यूरोप के देशों में जनसंख्या का घनत्व एशियाई देशों की अपेक्षाकृत कहीं अधिक है. इस विषय को लेकर भी मतभेद है कि बढ़ती जनसंख्या क्या वास्तव में विस्फोटक समस्या है ? या फिर इसे समस्या के रूप में प्रस्तुत करना कितना उचित है ? किन्तु अपने देश की जनसंख्या में वृद्धि दर पर दृष्टिपात से यह तो स्पष्ट ही है कि जन्म दर की बढ़ती असाधारण गति आने वाले दशकों में उस आने वाले तूफान का संकेत है जो संभवतः हम पर कहर बन कर टूट पड़ेगा.

जनसंख्या वृद्धि को लेकर विकासशील एवं अर्धविकसित देशों की आगामी दशकों में क्या स्थितियां रहेंगी ? जनसंख्या अतिरेक से क्या मानव अधिकारों का हनन भी हो रहा है ? क्या इसके कोई विपरीत प्रभाव समाज पर पड़ रहे हैं ? वैश्विक अर्थतन्त्र पर क्या नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे ? अतिशय बढ़ती जनसंख्या के कारण दैनिक जीवन उपभोग की वस्तुओं की मांग और पूर्ति मे असंतुलन की जिस खाई का निर्माण होगा, फलस्वरूप क्या सामाजिक तथा राजनीतिक अस्थिरताओं के नए युग का जन्म होगा ?

11 जुलाई, 2017 को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाएगा. जनसंख्या वृद्धि के अनुसंधान में इस दिन किस तरह के व किस स्तर पर चिंतन होना चाहिए ? बढ़ती जनसंख्या विश्व की समस्या है तो निदान हेतु समस्त देशों, सरकारों तथा संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य संस्थाओं को सर्वसम्मत कार्य सूची पर मिलकर रचनात्मक प्रयास करने होंगे. वैश्विक स्तर पर आतंकवाद, कुपोषण, प्रदूषण एवं पर्यावरण जैसे मुद्दों पर विश्व के अधिकांश देश संयुक्त रूप से निर्धारित कार्यसूची पर कार्यरत हैं जिसमें प्रजनन दर नियंत्रण को प्राथमिकता देना अब अनिवार्यताओं में होना चाहिए.

जैन समुदाय की घटती जनसंख्या वास्तविकताओं के झरोखे में

जैन धर्म विश्व के विभिन्न धर्मों की अपेक्षाकृत सर्वाधिक प्राचीन है. सर्वपल्ली डा.राधाकृष्णन के अनुसार जैन धर्म वेदों के निर्माण से पूर्व अस्तित्व में था. जैन धर्म मात्र भारत तक ही सीमित नहीं रहा अपितु इसकी जड़े अफ्रीकी महाद्वीप, खाड़ी के देश व चीन से लेकर पूर्व एशियाई देशों तक फैली थीं. ईथोपिया, अरब, ईरान से लेकर मलेशिया/इन्डोनेशिया आदि देशों में जैन मंदिरों के अस्तित्व या अवशेष इस बात की पुष्टि करते प्रतीत होते हैं.

राजा चंद्रगुप्त मौर्य, हर्षवर्धन व खारवेल साम्राज्य सहित अनेक हिन्दू राजाओं ने जैन धर्म अंगीकार किया. एक अनुमान के अनुसार ईसा के पूर्व एवं पश्चात् जैन धर्म उसके चरमोत्कर्ष पर था व उसके अनुयाईयों की अनुमानित जनसंख्या 40 करोड़ थी. कहा जाता है कि राजा के साथ उसकी प्रजा भी वही धर्म अंगीकार कर लेती थी. दक्षिण भारत में स्थापित जैन मंदिर एवं स्मारक इस बात के प्रमाण हैं कि बहुत बड़ी जनसंख्या में कभी जैन समुदाय वहाँ बसता था. तमिलनाडू एवं कर्नाटक में विभिन्न राजाओं विशेषकर लिंगायतों के अत्याचारों के कारण जैन धर्मावलम्बी हिन्दू धर्म अंगीकार करने को बाध्य हुए जो उसकी जनसंख्या में गिरावट के प्रमुख कारणों में से एक है. यही क्रम 11वीं शताब्दी से लेकर लगभग 17वीं शताब्दी में भी चला जिसमें उत्तर भारत में जैन मंदिरों को बड़ी संख्या में मात्र तोड़ा ही नहीं गया अपितु जैन समुदाय पर कहर बरसाया गया. स्वतन्त्रता काल से पूर्व की कुछ शताब्दियों में राजनीतिक सामाजिक अस्थिरता व बादशाहों के अत्याचार जैन समुदाय की जनसंख्या में कमी के मुख्य कारण रहे.

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में जैन समुदाय वर्तमान में सिकुड़ कर मात्र देश में सीमित रहा गया है. देश में उसकी जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार मात्र 44.5 लाख है जो देश की कुल जनसंख्या का मात्र .36% हैं जबकि 1991 एवं 2001 में यह .40% थी.

जैन समुदाय की अतिशय एवं निरंतर घटती जनसंख्या तो चिंता का विषय है ही किन्तु इसके अतिरिक्त प्रजनन लिंग अनुपात में भारी अंतर दृष्टिगोचर होता है. 1000 के मुक़ाबले महिला बालदर 870 ही है. भारत युवाओं का देश है व विश्व में सर्वाधिक युवा भारत में रहते हैं किन्तु जैन समुदाय में युवाओं का प्रतिशत मात्र 30 है जो हमारी घट रही जनसंख्या को प्रमाणित करने हेतु पर्याप्त है.

आगामी दशकों में जैन समुदाय की स्थिति क्या रहेगी ? क्या कहीं उसके अस्तित्व को खतरा तो नहीं है ? या कहीं ऐसा तो नहीं कि विश्व की प्राचीनतम संस्कृति के पतन का काऊंटडाऊन प्रारम्भ हो चुका है जिसके प्रति जैन समुदाय स्वयं बेखबर है. भाषा, लिपि, संस्कृति से जिसने मुँह मोड़ लिया हो ऐसा जैन समुदाय धार्मिक एवं सामाजिक कारणों से दिन-प्रतिदिन तिनके की तरह बिखर रहा है. इस प्राचीनतम् संस्कृति एवं धर्म को बचाने के लिए गहन सामाजिक प्रयासों की आवश्यकता है, जिस हेतु सिद्धांतिक मत-भेदों से ऊपर उठना ही एक मात्र विकल्प रह जाता है.

भारतीय जैन संघटना, राजस्थान के कार्यक्रम

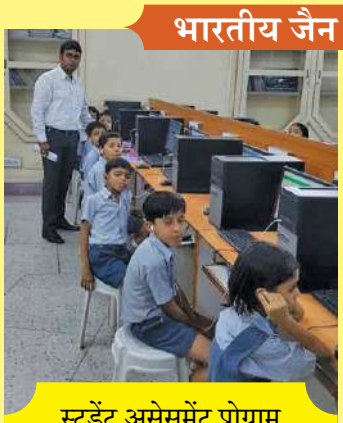

स्टूडेंट असेसमेंट प्रोग्राम
महावीर शिक्षा संस्थान, जयपुर

'स्मार्ट गर्ल : 20-21 मई, व्याबर (राजस्थान)
प्रशिक्षक : श्रीमती दीप्ती मितेश धरमशी

FJEI Convention, जोधपुर, 13 मई

अल्पसंख्यकता के संवैधानिक अधिकार एवं लाभ – शैक्षणिक संस्थाओं हेतु कार्यशालाऐं

जोधपुर – 28 मई

ऋषभदेव -29 मई

जयपुर – 27 मई

जयपुर प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षक श्री निरंजन जुवां जैन, अहमदाबाद
राजस्थान BJS राज्य अध्यक्ष श्री सम्प्रति सिंघवी,श्री सी. के. बाफना एवं श्री प्रेम सुराणा, जयपुर

JAINA (USA) Convention में श्री प्रफुल्ल पारख

Federation of Jain Associations in North America (JAINA) ने 19 वें Convention में बीजेएस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख को निमंत्रित किया. Speaker/Panelist के रूप में आपने Community and Social Services Track - Jainism, Social Service and Bharatiya Jain Sanghatana's Pursuits विषय पर Convention delegates को संबोधित किया.

BJS राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख
JAINA CONVENTION को सम्बोधित करते हुए

यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम 2017

JAINA-USA, JITO अहमदाबाद चेप्टर एवं भारतीय जैन संघटना के संयुक्त तत्वावधान में यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम हेतु इस वर्ष देश भर से चयनित जैन समाज के उच्च शिक्षित प्रतिभाशाली 12 युवक-युवतियों का दल 3 सप्ताह की अमेरिका यात्रा पर 25 जून, 2017 को रवाना हुआ. इस दल ने न्यूजर्सी में दिनांक 30 जून से 4 जुलाई तक आयोजित हुए JAINA CONVENTION में भाग लिया. अमेरिका में बसे जैन परिवारों के साथ रहने व उन परिवार के सदस्यों की जीवन पद्धति, सामाजिक वैचारिकता, धर्म के प्रति श्रद्धा जैसे मुद्दों को समझने का अवसर प्राप्त किया. अमेरिका के अन्य शहरों न्यूयार्क, सेनफ्रांसिस्को, वाशिंग्टन एवं बोस्टन आदि में रहने के साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों, बड़ी कंपनियों के मुख्यालयों, सिलिकॉन वेली आदि का भ्रमण किया. JAINA CONVENTION के दौरान बीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने इन युवाओं को नेतृत्व प्रदान किया.

यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम 2017 दल के सदस्य
JAINA CONVENTION, न्यूजर्सी में श्री प्रफुल्ल पारख के साथ

रिश्तों की नई पहल

21 मई, 2017 को जैन समाज के उच्च शिक्षित प्रत्याशियों हेतु 'रिश्तों की नई पहल' अवधारणा के साथ मेट्रीमोनियल गेट-टू-गेदर का आयोजन बीजेएस, इंदौर द्वारा किया गया. पंजीकृत 250 प्रत्याशियों में से 80 युवतियों एवं 105 युवकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की. परिचय सम्मेलन की अवधारणा से हटकर मेट्रीमोनियल गेट-टू-गेदर में प्रतिभागी युवक एवं युवतियों को परस्पर एक दूसरे को समझने, पहचानने, उनकी पसंदगी के मापदण्डों के अनुरूप प्रत्याशियों को परखने का अवसर विभिन्न खेलों व प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्राप्त हुआ. बदले हुए सामाजिक परिवेश में उच्च शिक्षित युवक/युवतियों की अपेक्षाओं एवं मापदण्डों के अनुरूप जीवन साथी चयन की प्रक्रिया में यह प्रयोग सहायक सिद्ध हो रहा है. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री चंदनमल चोरडिया ने इस कार्यक्रम को समय की मांग के अनुरूप तथा समाज उपयोगी बतलाया. संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने किया.

पुणे में आयोजित हुआ परिचय सम्मेलन

4 जून, 2017 को बीजेएस, पुणे द्वारा परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया. जैन समाज के उच्च शिक्षित युवक युवतियों हेतु आयोजित इस सम्मेलन में 59 युवतियों एवं 69 युवकों ने भाग लिया. कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मृदुला चौरड़िया ने किया. प्रतिभागी युवक एवं युवतियों ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे जीवन साथी की तलाश में अत्यंत ही सहायक बतलाया.

'स्मार्ट गर्ल्स' प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

दो दिवसीय युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 20 व 21 मई, 2017 को बीजेएस, कर्नाटक द्वारा बीजापुर में आयोजित किया गया जिसमें भारतीय जैन संघटना के महासचिव व युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक श्री राजेंद्र लुंकड़ ने मैसूर, बंगलुरु, बीजपूर, कोट्टुर, होसपेट, कोपल, बागलकोट एवं चिकमंगलूर आदि शहरों के 34 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 70 युवतियों ने भी भाग लिया जिन्हें 21वीं शताब्दी की सामाजिक चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रशिक्षित किया गया.

बदलोगे तो बढ़ोगे

भारतीय जैन संघटना संचालित व्यापार विकास अभियान के अंतर्गत 'बदलोगे तो बढ़ोगे' कार्यशालाओं के आयोजन शिवपुरी एवं ग्वालियर में 4 जून एवं इंदौर में 18 जून, 2017 में किए गए. व्यापार के बदलते वैश्विक चित्र को समझने, समय के साथ चलने व समय के साथ व्यापार में आवश्यक परिवर्तन लाने के महत्व पर मार्गदर्शन देने के इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ व इस अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री राकेश प्रखर जैन ने युवाओं एवं व्यवसायी वर्ग को प्रशिक्षण प्रदान किया. शिवपुरी में आयोजित कार्यशाला में माननीय श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित रहे.

विद्यादान 2017

बीजेएस, मैसूर (कर्नाटक) द्वारा विद्यादान अनूठा प्रयास किया गया. 14 मई, 2017 को 'विद्यादान 2017' की योजना को निर्धारित किया गया. विद्यार्थियों द्वारा प्रयोग की हुई पाठ्य पुस्तकों को उनसे लगातार तीन रविवार को मंदिरों, स्थानकों एवं तेरापंथ भवन पर संग्रहित की गई. विद्यादान के इस महायज्ञ में विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों से प्राप्त पुस्तकों को 11 व 18 जून, 2017 को 46 से अधिक जरूरतमन्द विद्यार्थियों में वितरित की गई. जैन समाज के दानदाताओं ने भी पुस्तके क्रय कर जरूरतमन्द विद्यार्थियों में वितरित करने हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की. इस अनूठे कार्यक्रम का संचालन यूथ विंग, बीजेएस मैसूर ने उत्साह एवं योजनाबद्ध तरीके से किया.

GST पर कार्यशालाओं के आयोजन

बीजेएस तेलंगना एवं तेरापंथ फोरम के सयुंक्त तत्वावधान में 25 जून, 2017 को हैदराबाद में GST विषय पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ सर्वश्री अन्नपूर्ण जैन, कुणाल जैन तथा पूजा जैन एवं शिल्पी जैन ने सम्पूर्ण जानकारी प्रस्तुत की व पूछे गए प्रश्नों पर समाधान प्रस्तुत किए.

बिलासपुर में 25 जून, 2017 को बीजेएस छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता श्री विकास गोलछा, श्री आई.सी.जैन- आयकर आयुक्त-दुर्ग एवं श्री नितिन गर्ग ने GST विषय पर उपस्थित व्यवसायी समुदाय को प्रशिक्षित किया.

तकनीकी एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा आज की अनिवार्यता – श्री शांतीलाल मुथ्था

FJEI तमिलनाडू का अधिवेशन 10 जून, 2017 को चैन्नई में वेपेरी स्थित GSS JAIN COLLEGE परिसर में FJEI तमिलनाडू द्वारा आयोजित किया गया. 50 से अधिक तमिलनाडू की जैन शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टी, प्रधानाचार्य एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इस अवसर पर श्री शांतीलालजी मुथ्था, श्री वल्लभ भंसाली, श्री गौतम वैद, श्री राजेंद्र लुंकड़ आदि उपस्थित रहे. FJEI के माध्यम से देश में स्थित 2500 से अधिक जैन शिक्षण संस्थाओं को एक छत के नीचे लाकर गुणवत्ता आधारित शिक्षा प्रदान करने संबंधी कार्यक्रम के क्रियान्वयन से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जैन समुदाय का रचनात्मक अंशदान सुनिश्चित किया जाएगा. कार्यक्रम का संचालन श्री राजेंद्र दुगड़, राज्याध्यक्ष -बीजेएस तमिलनाडू ने किया.

एक अनोखा प्रयास

भारतीय जैन संघटना, गुजरात

व्दारा आयोजित

विधवा, विधुर, तलाकशुदा एवं 35+ अविवाहित

युवक-युवतियों हेतु

जैन परिचय मिलन

रविवार, 13 अगस्त, 2017, प्रात: 9 बजे

आत्मीय कॉलेज, सेन्ट्रल सभागृह, कालावड रोड, **राजकोट**

रजिस्ट्रेशन फॉर्म प्राप्त करने के लिए अपने शहर के **भारतीय जैन संघटना, जैन सोश्यल ग्रुप तथा जैन जागृति सेन्टर** के पदाधिकारी से संपर्क करें. ऑनलाईन पंजीयन **www.bjsmm.bjsapps.com** पर शीघ्र करें

विशेष माहिती संपर्क :

श्रीमती भैरवी जैन, गांधीधाम, अध्यक्षा, बीजेएस, गुजरात **94262 15459**

श्री सुरेश कोठारी, अहमदाबाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष, बीजेएस **98250 22777**

श्री मीतेष धरमशी, गांधीधाम मंत्री, बीजेएस गुजरात **98252 26557**

श्री शरद शेठ, जामनगर उपाध्यक्ष, बीजेएस गुजरात एवं प्रोजेक्ट चेयरमेन **94267 33055**

फॉर्म भरने की अंतिम दिनांक : **मंगलवार, 18 जुलाई, 2017**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस, श्रीमती अमृता फड़नवीस, श्री शांतीलालजी मुथ्था, श्री वल्लभ भंसाली, श्री मंगल प्रभात लोढ़ा एवं फिल्म अभिनेता श्री जेकी श्रॉफ़ ने 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मुंबई में महाराष्ट्र के आत्महत्याग्रस्त किसानों के उन बच्चों के साथ योग किया जो भारतीय जैन संघटना के वाघोली स्थित शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र में अध्ययनरत हैं.

महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान

भारतीय जैन संघटना एवं पानी फाउंडेशन द्वारा संचालित महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान में महाराष्ट्र के 514 गांवों में महाश्रमदान 8 अप्रैल से 22 मई, 2017 तक हुआ. अभियान की पूर्णाहुति पर कुछ ही दिनों में इंद्रदेव प्रसन्न हुए. वर्षा के जल का संचय व भूगर्भ में उतारने हेतु जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग सूखा व अकाल जैसी समस्याओं से स्थायी मुक्ति हेतु निश्चित ही रंग लाएगा.

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन हुआ प्रारम्भ

प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत, शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के लिए प्री-मेट्रिक, पोस्ट-मेट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं में अल्पसँख्यक मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 1 जून, 2017 से ऑनलाईन आवेदन हेतु नेशनल पोर्टल सुलभ करवाया गया है. नवीन आवेदन (Fresh Application) एवं नवीनीकरण आवेदन (Renewal Application) की अंतिम तिथियां क्रमशः 31 अगस्त एवं 31 जुलाई, 2017 निर्धारित की है.

छात्रवृत्ति आवेदन के ईच्छुक विद्यार्थी घोषित की गई अंतिम तिथियों से पूर्व आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करें.

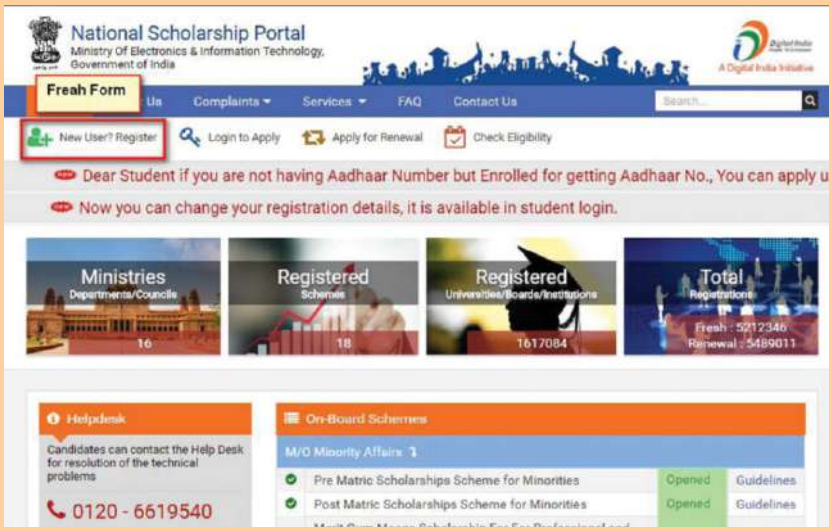

ऑनलाईन आवेदन की पद्धति में किए गए कुछ परिवर्तन

इस वर्ष से अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति की तीनों योजनाओं प्री-मेट्रिक, पोस्ट-मेट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स में ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से आवेदन के समय मांगे जाने वाले दस्तावेज़ों को स्केन कर अपलोड करने के स्थान पर अब विद्यार्थी द्वारा किये गए ऑनलाईन आवेदन पत्र की प्रति (pdf प्रिंटेड कॉपी) के साथ उन समस्त दस्तावेजों को संलग्न कर उसके शिक्षण संस्था में जमा करना होगा.

गत वर्ष तक कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों को प्री-मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना में ऑफलाईन आवेदन की सुविधा उपलब्ध थी, किन्तु इस वर्ष से अब कक्षा 1 से 10 तक के सभी विद्यार्थियों हेतु ऑनलाईन आवेदन आवश्यक किया गया है.

देश के प्रीमियर इंस्टिट्यूट्स में अध्ययनरत अल्पसंख्यक विद्यार्थियों हेतु महत्वपूर्ण सूचना

प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत, इस वर्ष से सभी अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन की पद्धति सभी विद्यार्थियों हेतु एक समान की गई है. किन्तु विद्यार्थी जो प्रीमियर इंस्टिट्यूट्स में अध्ययनरत हैं और जिन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2017-18 में रू. 50,000 या अधिक फ़ीस जमा की है, उन्हें मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति में ऑनलाईन आवेदन के समय ही आवेदन के समय मांगे जाने वाले दस्तावेज़ों को स्कैन कर अपलोड करना है.

मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना में छात्रवृत्ति की मेंटेनेंस एलाउन्स सहित अधिकतम देय राशि रू. 30,000 प्रति शैक्षणिक वर्ष है, किन्तु प्रीमियर इंस्टिट्यूट्स में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उनके द्वारा अदा की गई सभी तरह की फ़ीस की सम्पूर्ण राशि छात्रवृत्ति में देने का नियम है. देश में स्थित 85 प्रीमियर इंस्टिट्यूट्स की सूची **'www.minorityaffairs.gov.in'** से 'मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना' में visit कर प्राप्त करें.

बकाया फेलोशिप हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संपर्क करें

उन सभी अनुसंधानरत प्रत्याशियों जो एम.फिल. या पी.एच.डी. में पंजीकृत हैं व जिन्हें मौलाना आज़ाद नेशनल फेलोशिप प्राप्त होती है, को अल्पसँख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने सूचित किया है कि वे गत वर्षों की बकाया फेलोशिप राशि की प्राप्ति हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संपर्क करें. अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा इस हेतु रू. 40 करोड़ की राशि मुक्त की गई है.

कर्नाटक राज्य में अल्पसंख्यकता का लाभ अब समस्त जैन समुदाय को मिलेगा

कर्नाटक राज्य सरकार ने जैन समुदाय को धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यकता का दर्जा 17 सितंबर, 2007 को दिया था किंतु कुछ प्रशासनिक त्रुटियों के कारण अल्पसंख्यक लाभ जैन समुदाय के मात्र दिगम्बर समाज को ही प्राप्त थे. गत तीन वर्षों में जैन समुदाय की भारतीय जैन संघटना सहित विभिन्न संस्थाओं ने राज्य सरकार को समय-समय पर प्रतिवेदन देकर इस त्रुटि को सुधार कर राज्य की कम्प्यूटरीकृत प्रणाली में समस्त जैन समुदाय को बिना किसी भेदभाव के अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र जारी करने की प्रार्थना की थी.

कर्नाटक राज्य सरकार ने आदेश दिनांक 17.6.2016 द्वारा इस त्रुटि को सुधारते हुए कम्प्यूटरीकृत प्रणाली में आवश्यक परिवर्तन किये हैं, परिणामस्वरूप अब समस्त जैन समुदाय को 22 जून, 2017 से अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र मिलने लगे हैं.

कर्नाटक राज्य में निवास कर रहे जैन समुदाय को सलाह है कि उनके परिवार के प्रत्येक सदस्य का अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र प्राप्त करें ताकि राज्य सरकार की अल्पसंख्यकों के उत्थान विकास की धार्मिक एवं शैक्षणिक योजनाओं का लाभ वे ले सकें. इस हेतु तहसील कार्यालय से संपर्क करें या ऑनलाईन आवेदन 'www.nadakacheri.karnataka.gov.in' पर करें.

With Best Compliments From:

Rajendra Lunker, Erode

National General Secretary,
Bharatiya Jain Sanghatana

Bentley & Remington Private Limited
Pharmaceutical Division
ISO 9001:2000 Certified

Vasant Kumar Avinash Ranka
Vijayanagar, Bangalore

No.1 IN QUALITY · BENTLEY & REMINGTON

Corporate Office: "Bentley House", 515E, 1St Main, 2nd Stage, Vijayanagar, Bangalore- 560 040, India
E-mail:brlabs@gmail.com Website: www.bentleydrugs.com

WB Gold · WB Utsav
• PULSES • CEREALS
• RICE • FLOURS
• TEA POWDER • MASALA

MWB GROUP SINCE 1971

MUTHA WAGMAL BURAJI GROUP
HUBLI | DHARWAD | SHIMOGA | KUNDAPUR | MYSORE | BELGAVI
H.O.: W.B. Plaza, 2nd Floor, New Cotton Market, HUBLI-29. Tel.: 0836-2382777
E-mail : mwbgroups@gmail.com Website : www.mwbgroups.com

INDIA GATE BASMATI RICE

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On- 10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600